



Literacy for a Billion

Movie: Chalti Ka Naam Gadi

Year: 1959

आ हा
आ आ आ हा
आ ...
आ ... हा

मैं सितारों का तराना
मैं बहारों का फ़साना
लेके इक अँगड़ाई मुझपे
डाल नज़र बन जा दीवाना

मैं सितारों का तराना
मैं बहारों का फ़साना
लेके इक अँगड़ाई मुझपे
डाल नज़र बन जा दीवाना

हा हा हा ...
हे हे हे ...
हे हे ...

रूप का तुम हो ख़ज़ाना
तुम हो मेरी जाँ ये माना
लेकिन पहले दे दो मेरा
पाँच रुपैया बारह आना

पाँच रुपैया बारह आना
मारेगा भैया ना ना ना ना

माल ज़र भूलकर
दिल जिगर हमसे

Song: Panch Rupya Barah Aana

Lyricist: Majrooh Sultanpuri

निशानी माँगो ना
दिलरुबा क्या कहा
दिल जिगर क्या है
जवानी माँगो ना

तेरे लिए मजनुँ
बन सकता हूँ
लैला लैला कर सकता हूँ
चाहे नमूना देख लो हाय

ख़ूने दिल पीने को
और लख़्ते जिगर खाने को
ख़ूने दिल पीने को
और लख़्ते जिगर खाने को
ये ग़िज़ा मिलती है लैला
ये ग़िज़ा मिलती है लैला
तेरे दीवाने को
तेरे दीवाने को

हो हो हो ...
जोशे उल्फ़त का ज़माना
लागे है कैसा सुहाना
लेके इक अँगड़ाई मुझपे
डाल नज़र बन जा दीवाना

मानता हूँ है सुहाना
जोशे उल्फ़त का ज़माना
लेकिन पहले दे दो मेरा
पाँच रुपैया बारह आना

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.



Literacy for a Billion

पाँच रुपैया बारह आना
मारेगा भैया ना ना ना ना

ग़म भुला साज़ उठा
राग मेरे रूप के
तू गाए जा

हाय दिलरुबा
होय दिलरुबा
हाँ इसी अंदाज़ से
फ़रमाए जा

गीत सुना सकता हूँ दादरा
गिनकर पूरे बारह मात्रा
चाहे नमूना देख लो हाय

धीरे से जाना बगियन में
धीरे से जाना बगियन में
रे भँवरा
धीरे से जाना बगियन में
होय ल ला ढींग ल ला ...
होय ल ला

हो हो हो ...
तू कला का है दीवाना
कम है क्या तुझको बहाना
लेके इक अँगड़ाई मुझपे
डाल नज़र बन जा दीवाना

हाँ ये अच्छा है बहाना
मैं कला का हूँ दीवाना

लेकिन पहले दे दो मेरा
पाँच रुपैया बारह आना

पाँच रुपैया बारह आना
मारेगा भैया ना ना ना ना

बेखबर प्यार कर
धन की दुनिया क्या है
ढलती छाया है
हाय हाय हाय
दिलरुबा सच कहा
साँच तेरा प्यार
बाकी माया है

तेरे लिए जोगी बन सकता हूँ
जंगल जंगल फिर सकता हूँ
चाहे नमूना देख लो हाय

तेरी गठरी में लागा चोर
मुसाफ़िर जाग ज़रा
तू जाग ज़रा
तेरी गठरी में लागा चोर
मुसाफ़िर जाग ज़रा
तू जाग ज़रा
तेरी गठरी में लागा चोर
चोर

हो हो हो ...
मैं हूँ तेरी जानेजानां
आ मुझी से लौ लगाना
लेके इक अँगड़ाई मुझपे



Literacy for a Billion

डाल नज़र बन जा दीवाना

जय गुरु मैंने ये माना
तू है मेरी जानेजानाँ
लेकिन पहले दे दो मेरा
यक दुइ त्रण चार पाँच

पाँच रुपैया बारह आना

पाँच रुपैया बारह आना
मारेगा भैया ना ना ना ना
पाँच रुपैया बारह आना
बारह आना बारह आना

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.